परमेश्वर के लोगों को इस प्रकार संगठित करें जिससे सब जैसे ने किया सेवा कर सकें।

दूसरे प्राचीनों के साथ जो चरवाही कर रहे हैं जिम्मेदारियां बाँटे

जो बच्चों को सिखाते हैं उन्हें अध्ययन L 1b पढ़ना चाहिये

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु हमारी सहायता कर कि जिस प्रकार यत्रों ने मूसा को सलाह दी हम भी वैसा ही आयोजन कर सकें"।

जो गतिविधियां हाल की आवश्यकताओं और स्थानीय रीति रिवाज में सही बैठती है उन्हें चुने

1. परमेश्वर के वचन से अपने हृदय और दिमाग को तैयार करें

निर्गमन 18 में खोजें कि कैसे परमेश्वर ने मूसा के सलाहकार यत्रों को इस्राएलियों के बीच झुन्डों का आरम्भ करने में इस्तेमाल किया।

- यदि आपने कभी निर्गमन अध्याय 1-3 नहीं पढ़ा कि किस प्रकार मूसा की भेंट यत्रों से हुई तो अवश्य पढ़लें।
- मुसा किस प्रकार निश्चय करता है कि हर एक इस्राएली परिवार को आत्मिक चरवाहों से देख भाल मिलती हैं?
- कितने लोगों को यत्रो ने छोटे से छोटे झुन्ड की चरवाही के लिये आज्ञा दी?
- परमेश्वर ने इन नये प्राचीनो को कुछ विशेष व्यवस्था दी जिसके द्वारा वे उसके लोगों पर शासन कर सकते थे (निर्गमन अध्ययन 19 एंव 20)
- वह व्यवस्था परमेश्वर और इस्राएलियों के बीच वाचा थी जो दस आज्ञाओं पर आधारित थी
- वे विधियां परमेश्वर के इस्राएलियों के लिये उसके हृदय की प्राचीन व्यवस्था थी जिसे यहूदी "तोराह" करते हैं।
- चरवाही 10 के छोटे झुन्ड में की गई।
- एक चरवाहा दस परिवारों से अधिक की मुश्किल से सुन सकता है, कि उनकी सही तरह से देख भाल कर सके।
- बड़े झुन्डों के अगुवों ने न्याय के प्रशासन और सरकार को संयोजित किया।

संतुलित अगुवाई में चार कार्य शामिल है जिसे इन बाइबल आधारित अगुवों ने नमूना बनाया:

1) मुसा एक अगुवे ने भविष्य को देखा और अपने को प्रेरित अपने दर्शन से किया कि परमेश्वर क्या करेगा।

Vision

परमेश्वर कुछ अगुवों को नई जगह में झुन्ड आरम्भ करने की योग्यता देता है। वे चरवाहे को योजना बनाने में सहयता करते और इन झुन्डों को कई गुणा बढ़ा देते हैं।

2) यहोशू एक योद्धा मूसा के दर्शन को व्यवहारिक रूप में लेकर चला उसने कभी कभी सेना का भी इस्तेमाल किया।

Firmness

भले ही जब कुछ आयोजको का विरोध किया जाता परमेश्वर उनको साहस देता है। वे कार्यकर्ताओं को धीरज के लिये उसकाते उत्साहित करते हैं।

3) हारून एक प्रबन्धक महायाजक था और आश्वस्त किया कि दूसरे याजक प्रतिनिधी का कार्य पूरा करते हैं।

Thorough-ness

परमेश्वर कुछ आयोजकों को सटीक प्रबन्ध करने का गुण देता हैं सेवकाई का विस्तार और दूसरे कार्य कर्ताओं के लिये काम आसान बनाना।

4) बरनबास प्रोत्साहित करने वाला तरस वाला था उसने लोगों की मित्र भाव से एक साथ कार्य करने में सहायता की।

Kindness

परमेश्वर कुछ आयोजकों की सहायता करता है कि उसका कार्य सामाजिक रूप से आनन्दमय है वे निश्चय करते और समझाते हैं/तसल्ली देते हैं और लोगों की आवश्यकताओं से निपटने में आनन्द करते हैं।

अच्छे आयोजक इन चारो शान्ति को संतुलित रखते हैं अक्सर इन्हें समूह के अगुवों के साथ शामिल करते हैं।

- आप इन चारों शक्तियों में से आयोजन करने के लिये कौन सी आप सब से उत्तम करते हैं उसमें किसमें सहायता की अवश्यकता है?
- अच्छा आयोजन जिन वरदानों की उसे कमी है उसके लिये उन सहायकों के साथ जिनके पास आत्मिक वरदान हैं साथ कार्य करता है।
- बुहत कम हैं कि आयोजक सभी चारों चीजों को अच्छी तरह करते हैं जैसा यीशु दाऊद और पौलुस ने किया।

अच्छे आयोजक जिम्मेदारियां बांट लेते हैं। यीशु दाऊद और पौलुस ने अकेले काम नहीं किया।

पहल करने वाले नई मन्डली और नये प्रोजेक्टस प्रारम्भ करते हैं या वे नई जगहों पर परमेश्वर का कार्य आरम्भ करते हैं।

- एक दर्शन पाल अगुवा अपने हृदय में देखता है कि परमेश्वर क्या करेगा और अपने इस दर्शन को दूसरों के साथ बाँटता/बताता है।
- वे खामोशी से दूसरे अगुवों को परामर्श देते हों जैसे मूसा ने हारून को लोगों से खुलेआम बात करने दिया।
- पतरस और दूसरों ने प्रेरितों की पुस्तक में नई कलिसियाएं आयोजित की, वे पहल करने वाले लोग थे।
- एक दार्शनिक अगुवा कैसे मूसा स्पष्ट जानता था कि परमेश्वर (क्या चाहता था कि उनका झुन्ड करें। यदि कोई ऐसी भविष्य की दृष्टी नहीं रखता तो चरवाहे अगुवाई नहीं कर सकते। क्योंकि वे जानते नहीं कि जाना कहां है। स्वंय का सिखाना ना आयोजन करना है ना ही अगुवाई करना है। और साधारणत: कानुन को लागू करना कहीं भी नहीं ले जाता।

प्रनून्धक कलीसिया में उन कार्यों को चलाते हैं जिसे पहल करने वालों ने आरम्भ किया।

- तीतुस क्रेते में रूका कि नाया झुण्ड जिसे पौलुस ने आरम्भ किया उस नये झुण्ड के लिये चरवाहों को प्रशिक्षित करें। (तीतुस 1:5)
- अच्छे प्रबन्धक परमेश्वर जो झुण्ड से चाहता कि करें उसे वह आयोजित करता है। हमें यीशु के विषय बताना है, प्रार्थना करने देना, तसल्ली देना, सिखाना जरूरत मन्दों की सेवा करना संगति को विकसित करना परिवारों को मज़बूत करना सेवा के लिये आयोजन करना गुणों को विकसित करना आराधना, नये झुन्ड को आरम्भ करना, अगुवों को प्रशिक्षित करना और मिशनरियों को भेजना है।

आप पहल करने वाले या प्रबन्धक है? (बहुत कम आयोजक लम्बे समय तक दोनो को अच्छी तरह करते हैं)

उन विश्वासियों के पास जाकर भेंट करें जो प्राचीनों की चरवाही करेंगे और उन्हें आरम्भ करने में सहायता करें। यदि कोई अगुवा सही तरह से आयोजित करने को अधिक सीखना चाहे तो इस अध्ययन को उनके साथ दुहरायें।

2. अपने सहकर्मियों के साथ सप्ताह की गतिविधियों की योजना बनायें।

अपने सह-कर्मियों के साथ मिलें और उन्हें आयोजन करने में सहायता करें जिस प्रकार यत्रों ने मूसा को करने को बताया था।

अच्छे आयोजन और बुरा आयोजन करने का भोद जनने के लिए 'भेडिया' का खेल खेले (आराधना के समय मे न करे)

- दस या अधिक लोगों से भेड़ों की भूमिका करने को कहें। बिना हिले डुले उन्हें एक लम्बी कतार में खड़ा रहने दें।
  - तीन भेड़ियों और चरवाहे को नाम दीजिये/ वे इधर उधर चल सकते हैं
  - जब आप कहें "जाओ" तो भेड़िये भेड़ों को पकड़ने का प्रयास करें। यदि भेड़िया किसी भेड़ को छूले तो उसे नीचे गिर जाना है।
  - यदि चरवाहा भेड़िये को छूले तो उसे नीचे गिरना है। जब बहुत सी भेड़ें मर जायें तो बन्द कर दें।
- चरवाहा अपनी भेड़ों को छोटे झुन्डों में रखे हर झुन्ड की रक्षा करने के लिये एक चरवाहा रखें।
- कहिये "जाओ" फिर जब भेड़िये मर जायें तो बन्द कर दें।
- विश्वासियों से पूछें कौन सी चीज़ मूल्यवान है भेड़ या मानव आत्मा?
- पूछें क्यों यत्रो ने मूसा को सलाह दी कि छोटे झुन्डों के चरवाहों के नाम रखे
- पूछें क्या बेहतर है, बहुत से चरवाहे बहुत से विश्वासियों के छोटे झुन्डों की अगुवाई कर रहे या एक चरवाहा एक बड़े झुन्ड की अगुवाई करता है? चर्चा करें कि क्यों परमेश्वर हमें छोटे झुन्डों को बनाने को कहता।

3. आगामी आराधना के समय की योजना अपने सह-कर्मियों के साथ बनायें।

बतायें या अभिनय करें कि किस प्रकार यत्रों ने मूसा को अपने लोगों को आयोजित करने को बताया। भाग1 में से प्रश्न पूछें। भाग 1 से अगुवों के चार कर्तव्यों का वर्णन करें (दर्शन दृढ़ता सम्पूर्णता और दया) विश्वासियों को रिपोर्ट देने दें कि किस प्रकार एक छोटे झुन्ड से सहायता प्राप्त उनकी आवश्यकता की पूर्ती के लिये की।

बच्चों को जो उन्होंने नाटक या दूसरी चीज़ें तैयार की हैं प्रस्तुत करने दें। परमेश्वर के कार्य के लिये दोनो पहल करने वालों और प्रबन्धकों की आवश्यकता कंठस्त करें। दो या तीन के झुन्ड में प्रार्थना करने के लिये बैठे योजना बनायें और एक दूसरे को प्रोत्साहित कीजिए।

प्रभु भोज के पहले बतायें कि किस प्रकार यीशु ने 5000 लोगों को खिलाया (लूका 9:12-17) वे पचास के झुन्ड में बैठे ये निश्चय करने के लिये कि हर एक को खिलाया गया। हम भी षभु भोज को छोटे झुन्ड में खायें जिससे सब विश्वासी मसीह की देह और लहू में "भागी" हो सकें। (1 कुरिन्थि 10:16-17)

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net